SUCCESS STORY – 5 (Fodder Production)

कृषक का नाम – श्री शिवशंकर व श्री वृजेश
ग्राम – बुढार
विकास खण्ड – बैकुण्ठपुर
जिला – कोरिया (छ.ग.)

जिला मुख्यालय कोरिया से लगभग 14 किलोमीटर दूर विकासखंड बैकुण्ठपुर के अंतर्गत ग्राम बुढार है

जहाँ श्री शिवशंकर व श्री वृजेश जी अपने खाली पडे भूमि पर लगभग 02 एकड में चारा उत्पादन का कार्य कर रहे है, चूँकि दोनों पेशे से दैनिक मजदूर है अतः इनके पास खेती करने हेतु उचित साधन जुटा पाना अत्यधिक कठिन है। अतः वे अपने भूमि में साल में 1बार फसल लेते थे एवं मुख्य फसल धान की खेती में आने वाले लागत का भी वहन करने में असमर्थ थे।

जब वे कृषि विज्ञान केन्द्र कोरिया के वैज्ञानिक सलाह एवं प्रशिक्षण व प्रत्यक्ष भ्रमण के पश्चात इन्होनें यह निश्चय किया कि अब वे चारा उत्पादन का कार्य ही वर्ष भर करेंगे चूँकि चारा उत्पादन का कार्य आसपास के क्षेत्र में कोई भी कृषक नहीं करता था व हरे चारे की मांग भी बहुत थी अतः इन दोनो कृषकों कृषि विज्ञान केन्द्र से प्रशिक्षण के दौरान हरे चारे की जानकारी प्राप्त हुई व इसके उत्पादन की विस्तृत जानकारी प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त किया। हरे चारे के उत्पादन की प्रेरणा लेकर कृषि विज्ञान केन्द्र कोरिया से सलाह लिया तत्पश्चात केन्द्र द्वारा हरे चारे का बीज प्रदान किया गया चूंकि हरे चारे बार बार काटने के पश्चात पुनः उग आते है। अतः इन्हें इसके बीज की समस्या भी नहीं रही। 05 से 06 बार हरे चारे को काटने के पश्चात अंत में उसी चारे के फलों से बीज संग्रह कर अगले वर्ष हेतु बीज एकत्र कर लेते हैं। हरे चारे की अत्यधिक मांग की वजह से चारे का विक्रय आसानी हो रहा है। प्रति सीजन 03 अलग– अलग प्रकार के चारों की खेती करते है। और प्रति सीजन लगभग 02 जमीन से 1200– 1300 किलोग्राम हरे चारे का उत्पादन करते है। व लगभग रु. 10000/– की कीमत का चारा व्रिकय करते हैं। चूंकि चारा ल गभग एक बार बोने के बाद 03 माह तक आसानी से चलता है व इसके लिये अतिरिक्त व्यय की भी आवश्यकता नहीं है। चारे को लगभग 08 से 10 रुपये प्रतिकिलो की दर से विक्रय कर आमदनी को बढाते हुए नये आयाम की ओर बढ रहे है। व आज वर्तमान में बहुत कम समय में ही आसपास के कृषकों के लिये एक मिसाल के रुप में अपने कार्य का अंजाम दिया है। चूँकि चारा की पर्याप्तता होने के कारण अब उन्होने 03 गायें भी खरीदी है। जिससे लगभग प्रतिदिन 25–30 लीटर का दुग्ध उत्पादन कर रहे है। इस प्रकार अपने जीवन की आर्थिक तंगी से निकल कर नये का आयाम को स्थापित किया है और परिवार को आर्थिक रुप से खुशहाल व सुदृढ किया है।